**Shyama Prasad Mukherji College(for women)**

**Teaching Plan**

**Course and Year:** बी.ए.हिंदी विशेष तृतीय वर्ष

**Semester:** V (अगस्त-दिसम्बर,2022 )

**Taught individually or shared:** **individually**

**Paper:** हिंदी नाटक**/**एकांकी

**Faculty:** डॉ.पूनम सिंह

**No. of Classes** (per week)**:** 5 क्लास + 3 ट्यूटोरियल = 8

**Teaching Plan**



**Name of the Unit:** नाटक (समय सीमा)

**Unit** 1**: भारत दुर्दशा –भारतेंदु हरिश्चंद 20 जुलाई से अगस्त तृतीय सप्ताह**

**प्रमुख बिंदु:** नाटक,रंगमच, रंगकर्म,नाटक और सामाजिकता का संबंध समझना,

नाट्यशास्त्र में वर्णित नाटक का सांगोपांग चित्रण, आधुनिक हिन्दी नाटक

के विकास की जानकारी,नाट्य-विधा की प्रकृति और संरचना की समझ

विकसित करना,देश की राजनीतिक,सामाजिक,आर्थिक एवं अन्य

परिस्थितियों का आकलन,पुनर्जागरण की अवधारणा,1857 के विद्रोह की

घटना,बेरोजगारी,भुखमरी,महामारी,धर्म,अंधविश्वास,टोना-टोटका,अशिक्षा,

सांप्रदायिकता,मद्यपान,आलस्य,छुआछूत,जातिभेद,अनास्था,कर

वसूली,राजनीति,फूट डालो और राज करो की नीति आदि पर

विश्लेषणात्मक अध्ययन।

**Unit** **2: ध्रुवस्वामिनी –जय शंकर प्रसाद अगस्त तृतीय सप्ताह से 12 सितंबर**

**प्रमुख बिंदु:** जयशंकर प्रसाद एटिहासिक नाटककार, गुप्तकाल के इतिहास को जानना,

नाटक में इतिहास और कल्पना के समन्वय को समझना, नपुंसक(क्लीव),किन्नर,नारी

विमर्श,बेमेल-विवाह,प्रेम का स्वरूप,विवाह-विधान,मोक्ष की अवधारणा

**Unit** 3: **बकरी –सर्वेश्वर दयाल सक्सेना 13 सितंबर से 30 सितंबर**

**प्रमुख बिंदु:** नाटक के तत्वों की चर्चा, संवेदना, नामकरण, भाषा-शैली, उद्देश्य,नाटक की

प्रासंगिकता, नाटक में चित्रित नेताओं का चरित्र उद्घाटन. राजनीति एवं धर्म का

गठबंधन, अशिक्षा और अंधविश्वाश के नाम पर लूट-खसोट की राजनीति

बाबाओं(आश्रमों) का देश, सामाजिक समरसता के भाव की महत्ता

**Unit** 4: एकांकी :

दीपदान –रामकुमार वर्मा **1 अक्टूबर से 15 नवंबर**

स्ट्राइक- भुवनेश्वर

तीन अपाहिज –विपिन कुमार अग्रवाल

सूखी डाली –उपेन्द्रनाथ अश्क

**प्रमुख बिंदु**: दीपदान का प्रतीकार्थ, राजा विक्रमादित्य का इतिहास, धाय माँ, राजपूतनी स्त्री, बलिदान, नैतिक मूल्य, बाल-मनोविज्ञान ,संवेदना,उद्देश्य

**प्रमुख बिंदु:** औध्योगिकीकरण, स्ट्राइक का प्रतीकार्थ,यांत्रिक जीवन, संबंधों की ऊष्मा, औपचारिकता,पानीदार,पूंजीवाद, साझे की दुकान ,संवेदना ,उद्देश्य

**प्रमुख बिंदु :** तीन अपाहिज का प्रतीकार्थ, एब्सर्ड एकांकी,कार्यपालिका,न्यायपालिका,विधानपालिका के चरित्र का उदघाटन, निठल्लापन,एकता का ढकोसला,भाषणबाजी, आजादी के पहिये की हवा निकलना,अवसरवादी राजनीति, कद्दू,,देशद्रोह ,आकाशवाणी बनाम भाषणबाजी, तारत्मयता का अभाव,संवेदना,उद्देश्य

**प्रमुख बिंदु : संयुक्त** परिवार,नई और पुरानी पीढ़ी का संघर्ष, वट वृक्ष एवं सूखी डाली की प्रतीकात्मकता, नारी-हृदय का मनोवैज्ञानिक अध्ययन, संस्कारों के मायने,कुटुंब एक यूनिट, नई रोशनी एवं सभ्यता,पुराने संस्कारों का द्वंद्व, संवेदना,उद्देश्य

**Readings (in APA format**



**Readings prescribed in the syllabus for each unit**

**1. नाटककार भारतेंदु की रंग परिकल्पना - सत्येंद्र तनेजा**

2. आधुनिक हिंदी नाटक और रंगमंच-सं.नेमीचंद जैन

3. हिंदी नाटक: उद्भव और विकास-दशरथ ओझा,राजपाल एंड संस,कश्मीरी गेट,दिल्ली

,1970

4. प्रसाद के नाटक : स्वरुप और संरचना –गोविन्द चातक, तक्षशिला

प्रकाशन,दिल्ली,प्र.संस्करण

5. हिंदी एकांकी की शिल्पविधि का विकास-सिद्ध नाथ कुमार

6. हिंदी के प्रतीक नाटक- रमेश गौतम

7. जयशंकर प्रसाद: एक पुनर्मूल्यांकन- विनोद शाही

**Readings, e- references to be given to students but not prescribed in syllabus (if any) for each unit**

**Unit I:** 1. नई रंग चेतना और हिंदी नाटककार-जयदेव तनेजा,तक्षशिला प्रकाशन दिल्ली,प्र.संस्करण -1988

2. नाटक और यथार्थवाद-कमलिनी मेहता,नागरी प्रचारिणी सभा,वाराणसी ,प्रथम सं.संवत 2025

3.आधुनिक हिंदी नाटक:एक यात्रा दशक,भारती भाषा प्रकाशन,दिल्ली प्रथम सं.1979

**Unit II:**

1. रंग दर्शन- नेमीचंद जैन,अक्षर प्रकाशन ,दिल्ली 1967
2. समकालीनता के अतीतोन्मुखी नाटक-डॉ.रमेश गौतम,नचिकेता प्रकाशन. दिल्ली प्रथम सं.1979

**Unit III:**

1. हिंदी नाटक: समाजशास्त्रीय अध्ययन-सीताराम झा,बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्,पटना प्रथम सं.1973
2. बीसवीं सदी के हिंदी नाटकों का समाजशास्त्रीय अध्ययन,लाजपत राय गुप्त,कल्पना प्रकाशन,.मेरठ,प्र. सं.1979

**Unit IV :**

1. समकालीन हिंदी नाटक की संघर्ष चेतना – गिरीश रस्तोगी, हरियाणा साहित्य अकादमी,चंडीगढ़ ,1990
2. हिदी की पारिभाषिक शब्दावली- डॉ.अमरनाथ ,राजकमल प्रकाशन दिल्ली प्रथम सं.2009
3. आधुनिक भारतीय नाट्य विमर्श – जयदेव तनेजा ,राधाकृष्ण प्रकाशन,नई दिल्ली,प्रथम सं.2015, आईएसबीएन- 9788183613910
4. हिन्दी नाटक कल और आज – केदार सिंह ,मोतीलाल बनारसीदास पब्लिशर्स,प्रथम सं.2005,आईएसबीएन- 8170544173

**पढ़ने योग्य 8 विशेष पुस्तक:**

* + - 1. **टूटते परिवेश(नाटक )- डॉ विष्णु प्रभाकर**
      2. **एक और द्रोणाचार्य(नाटक )- डॉ शंकर शेष**
      3. **माधवी (नाटक ) - डॉ भीष्म साहनी**
      4. **स्त्री उपेक्षिता (अनुवाद ) - डॉ प्रभा खेतान**
      5. **दर्शन- प्रदर्शन -देवेंद्र राज अंकुर,राजकमल प्रकाशन,नई दिल्ली, प्रथम सं -2013, आईएसबीएन -97188126704095**
      6. **नाटककर भारतेन्दु की रंग परिकल्पना : सत्येन्द्र कुमार तनेजा,** राधाकृष्ण प्रकाशन,नई दिल्ली,प्रथम सं.2002, आईएसबीएन- 8171197647
      7. **जाति ही पूछो साधू की - विजय तेंदुलकर, राजकमल प्रकाशन,नई दिल्ली, प्रथम सं -2017, आईएसबीएन -9788126721214**
      8. **हिन्दी नाटक - बच्चन सिंह,** राधाकृष्ण प्रकाशन,नई दिल्ली,प्रथम सं.2008, आईएसबीएन- 9788171193455



**No of classes required to complete the unit (approx.):**

1. **Unit I: No of Classes** 17
2. **Uniti II: No of Classes**16
3. **Uniti III: No of Classes**15
4. **Uniti IV: No of Classes**15

**Sub topics to be covered and their order along with the respective time frames (if any)**

अन्य नाटककारों के नाटकों को पढ़ने के लिय कहना एवं अनुशिक्षण कक्षाओं में पाठ्यक्रम से इतर किसी अन्य पाठ पर चर्चा कर पाठ प्रदर्शन की समझ विकसित करना I साहित्य, कला, प्रकृति और पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता पर चर्चा करना ,स्त्री सशक्तिकरण की चर्चा को ज़रूरी चर्चा में शामिल करना।





**Methodology of Teaching:**

**(Mention the use of ICT, MOOCs fieldwork, visits, or any specific activities apart from lectures)**

लेक्चर एवं ट्यूटोरियल**,** विश्लेषणात्मक विधि**,** दृष्टांत विधि एवं प्रश्नोत्तरी विधि का प्रयोग**,** समय समय पर संबद्ध विषय विद्वानों एवं विशेषज्ञों के व्याख्यान का आयोजन**, ,** ई-लर्निंग से सम्बंधित स्रोत उपलब्ध कराना**,** पाठ्यक्रम इकाई को छात्राओं के विषय क्षेत्रों एवं सम्बंधित क्रियाओं से जोड़कर उनके अनुभवों का हिस्सा बनाया जायेगा**,** इकाई के ज्ञान को प्रश्नोत्तर**,** चर्चा एवं अभ्यास द्वारा प्रस्तुतिकरण**,** छात्राओं के विचारों की क्रमबद्धता बनाये रखने के लिए पढाई गयी विषयवस्तु पर लेख तैयार करवाकर**,** छात्राओं को विभिन्न अवधारणाओं को समझाने के लिए अवधारणाओं से जुड़ी विडियो क्लिप्स एवं आरेख के माध्यम से विभिन्न घटनाओं एवं अमूर्त विषयों को समझाकर**,** विषय के सम्बन्ध में अपनी जिज्ञासाओं से जुड़े छात्राओं द्वारा सभी प्रश्नों और उनकी जिज्ञासाओं को संतुष्ट करके**,** विगत वर्षों में परीक्षाओं में पहले पूछे जा चुके तथा भावी परीक्षा के लिए संभावित प्रश्नों को कक्षा की चर्चाओं में एक जरुरी सन्दर्भ की तरह शामिल करके**,** ट्यूटोरियल कक्षाओं में इन प्रश्नों के उत्तरों की रूपरेखा पर विशेष चर्चा एवं प्रश्नोत्तर अभ्यास के लिए प्रेरित करके**,** कक्षा के दौरान इस बात का विशेष ध्यान रखकर की चर्चाओं में अनावश्यक भटकाव न हो ताकि सत्र का समापन निर्धारित समय में हो सके**,** कक्षा एवं सत्र के अंत में छात्राओं द्वारा फीडबैक**,** कक्षा में भागीदारी के द्वारा शिक्षण साथ ही नाटकों से सम्बंधित वीडियो का प्रदर्शन एवं नाटक/एकांकी के ऑनलाइन लिंक, पीडीएफ सामग्री प्रदान करना , छात्राओं को नाटकों के संवादों को संवाद के रूप में ही पढ़वाना , परिचर्चा (फिल्म, धारावाहिक, सामाजिक, आर्थिक, राजनैतिक, सांस्कृतिक आदि मुद्दों पर)विश्लेषण एवं अभ्यास कार्य I नाटक एवं एकाँकी के माध्यम से जीवन और समाज के विभिन्न मुद्दों की समझ और सुचिंतित दिशा को खोजने का प्रयास करना।

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| 1. Natak evam kathetaar gadhy, <http://ebooks.lpude.in/arts/ma_hindi/year_2/DHIN503_NAATAK_EVAM_KATHE> TAR\_GADYA.pdf | | | | | | | | |  |  |  |  |
|  | | | | | | | | | | | | |
| 1. <http://sol.du.ac.in> 2. <http://epustakalay.com> 3. <http://egyankosh.ac.in>      1. <http://youtu.be/BONGMTJXKiK> |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | | | | | |  |  |  |  |  |  |  |
| **Assessment** | | | | | | | | | |  |  |  |



**Tentative date of assessments/ assignments (time frame):**

1. सितम्बर माह के मध्य सप्ताह में असाइनमेंट
2. अक्टूबर माह के द्वितीय सप्ताह में प्रथम कक्षा परीक्षा
3. नवम्बर माह के प्रथम सप्ताह में द्वितीय कक्षा परीक्षा(नाट्य प्रदर्शन)

**Criteria of Assessment:**

विषयवस्तु की तर्कपूर्ण समझ और प्रस्तुति एवं नाट्य विधा की प्रकृति और संरचना की समझ तथा कक्षा में अपेक्षित सहभागिता का स्तर ।

